प्रेरित पौलुस ने अपने पत्रों द्वारा नए विश्वासियों को दृढ़ किया

प्रार्थना : ''हे प्रिय प्रभु, कृपया बच्चों की सहायता करें कि वे पौलुस की प्रसंशा करें जिसने नई कलीसियांओं को पत्रों द्वारा दृढ़ किया।''

सीखने वाली ऐसी गतिविधि का चुनाव करें जो बच्चों की समझ व आयु के लिए उपयुक्त हो।

फिलेमोन की छोटी पत्री के विषय बताने की तैयारी करें, ज्ञात करें :

- पौलुस स्वयं को क्या कहता है? *(पद 1)*
- वह फिलेमोन के लिए किस बात की कामना करता है? *(पद 3)*
- वह फिलेमोन के विषय क्या करता रहा था? *(पद 4-6)*
- वह किसके विषय में फिलेमोन से विनती करता है? *(पद 10-14)*
- पौलुस फिलेमोन से क्या करने के लिये कहता है, *(पद 15-18)*

पौलुस ने फिलेमोन को पत्र क्यों लिखा? बच्चों को बताएं। उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर में जो आपने पाया उसके विषय और चर्चा करें, प्रश्न पूछें।

जब पौलुस ने अपने कुछ पत्र लिखे तो वह क्यों बन्दीगृह में था, कारण बच्चों को बताएं।

- प्राचीन रोमी सम्राटों ने अनेक देशों पर राज्य किया था, वे बड़े घमण्डी थे। जो मसीही सम्राट की पूजा नहीं करते थे उन्हें वे मार डालते और बन्दीगृह में डाल दिया करते थे।
- पौलुस ने रोम के बन्दीगृह में अनेक वर्ष काटे, जहां से वह पत्रों द्वारा नई कलीसियाओं को दृढ़ करता था।

जिन बातों की चर्चा पौलुस ने पत्रों में की है उनमें से कुछ पर नाटक प्रस्तुत करें। सभी दृश्यों पर अभिनय करने की आवश्यकता नहीं है।

- नाटक प्रस्तुत करने के लिए आराधना के अगुवे का सहयोग लीजिए।
- बड़े बच्चे छोटों की सहायता करें।
- बड़े युवा बच्चे ये भूमिकाएं करें : उद्घोषक, झूठा, फिलेमोन, पौलुस जो बाईबल और थैला लिए हो।
- छोटे बच्चे ये भूमिकाएं करें : पत्थर फेंकने वाले, दरोगा, डाकू, उनेसिमुस पत्रवाहक।

उद्घोषक : देखें, कैसा अनूठा गुलाम, जिसे बाईबल की एक पुस्तक में याद किया गया।

उनेसिमुस : फिलेमोन के निकट से भाग हुआ एक दास, कमरे के अन्दर इधर-उधर दौड़े...

फिलेमोन : यहां लौट आओ, ओ, उनेसिमुस, लौट आओ, तुम तो एक चोर, बेकार गुलाम हो।

उद्घोषक : भागा हुआ यह दास (गुलाम) पौलुस से भेंट करता है, पौलुस उसे प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाकर बना लेता है, तब वापस फिलेमोन के पास भेज देता है।

उनेसिमुस : वह जाता है और पत्र फिलेमोन को देता है।

फिलेमोन : उनेसिमुस! आखिर तुम लौट ही आए! (पत्र देखता है), पत्र पौलुस ने लिखा है, वह चाहता है कि मैं तुम्हें वापस अपने पास रख लूं, एक दास के रूप में नहीं, पर एक भाई के रूप में, हां, मैं ऐसा ही करूंगा। तुम स्वतन्त्र हो, हम दोनों अब ख्रीस्त की मिलकर सेवा करेंगे। (उनेसिमुस को गले लगता है)

उद्घोषक : जब पौलुस जेल में था तब झूठे शिक्षक कुरिन्थ नगर में आए, सुनें उनका एक झूठ...

झूठा व्यक्ति : जब पौलुस को प्रेरित कहलाने का अधिकार नहीं है, पर मुझे हैं, मैं ही वास्तविक प्रेरित हूं, मैं आप लोगों की कलीसिया चला सकता हूं। और आप लोग अपना दान मुझे दिया करें।

उद्घोषक : पौलुस ने इस त्रुटि को सुधारने के उद्देश्य से कुरिन्थि में पत्र लिखा, सुनें कि उसने क्या लिखा...

पौलुस : 2 कुरि. 11:13-14 ऊंची आवाज़ में पढ़िए।

झूठा : मैं शैतान का सेवक हूं, मैं आत्मिक वचन बोलना जानता हूं, ताकि विश्वासी धोखा खा जाएं। (बुरी तरह हंसता है)

पौलुस : 2 कुरिन्थियों 11:23-24 पढ़ता है।

दरोगा : पौलुस से बाईबल व थैला छीन लेता है, और हाथ-पांव बांधकर कोड़े लगाता है (अभिनय कीजिये कि पिटाई कर रहे हों) 39 कोड़े लगाएं। गिरती 36 से आरम्भ करें 39 पर समाप्त करें।

पौलुस : हर कोड़े की मार के बाद दर्द से कहर जाए, 39 कोड़े की मार के बाद वह भूमि पर लेट जाए, थोड़ी देर बाद उठे, बाईबल और थैला उठाए। 2 कुरि. 11:25 पढ़ें।

पत्थर फैंकने वाले तथा झूठा : पौलुस पर पत्थर फेंकने का अभिनय करें।

पौलुस : दर्द से चिल्लाकर फिर गिर जाता है।

उद्घोषक : कुरिन्थ नगर के लोगों को और क्या कुछ पौलुस ने लिखा, सुनें...

पौलुस : बाईबल और थैला उठाकर फिर खड़ा हो जाता है। फिर पढ़ता है 2 कुरि. 11:26

डाकू : धीमें-धीमें चलें, पौलुस आगे चलें, चिल्लाएं और कहें इस व्यक्ति के थैले में कुछ है, लूट लो, मारो, थैला उससे छीन लो, सिर पर मोटी छड़ी मार कर थैला छीन कर भाग जाते हैं।

पौलुस : पौलुस का अभिनय करनेवाला बालक गिर पड़े।

उद्घोषक : पौलुस के पत्र की बातें और भी हैं-सुनें...

पौलुस : फिर खड़ा हो जाता है और 2 कुरि. 11:27-28 पढ़ता है।

उद्घोषक या कोई युवा बालक : जिन्होंने नाटक में भाग लिया, उन सबका धन्यवाद।

यदि नाटक युवाओं के लिए था तो उनसे भी प्रश्न पूछें जो ऊपर दिए गए हैं। पौलुस ने प्रचार के दौरान और कौन-कौन सी समस्याएं व यातनाएं सहीं, उन्हें बताने के लिए कहें।

एक क्रोधित व्यक्ति का चित्र बनाएं जिसके हाथ में कोड़ा हो। और बच्चों से उस चित्र की नकल करने को कहें।

- अगली बार आराधना के समय बच्चे वह चित्र युवाओं को दिखाएं।

- बच्चे चित्र के विषय बताएं कि यह चित्र संकेत करता है कि आकर्षक पत्र लेखक पौलुस ने दूसरों की सेवा करते समय दु:ख उठाया था।

याद करने के लिए : छोटे बच्चे 1 यूहन्ना 2:12 याद करें तथा बड़े बच्चे 1 यूहन्ना 2:13-13 याद करें।

कविता :तीन बच्चे पढ़कर सुनाएं : 1 यूहन्ना 1:12-14,

बड़े बच्चे पौलुस के पत्रों पर आधारित कविता, या गीत बनाएं।

प्रार्थना :''हे हमारे स्वर्गिय पिता, हम बाईबल के अद्‌भुत पत्रों के लिए जो पवित्रात्मा हमें प्रोत्साहित करने, हमें सुधारने और हमें आत्मिक बल प्रदान करने के लिए प्रयोग करता है, आपका धन्यवाद करते हैं। आमीन।

Copyright 2003 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net